

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhwabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरुवार 15 से 21 अक्टूबर 2026 ❖ वर्ष : 17 ❖ अंक - 19 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं. AT1/RNP/268/2025-2027 ❖ डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHIN/2010/43881

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

कलयुग का प्रताप सर्वत्र दिखाई दे रहा है। इसमें कहा गया है कि शराब की दुकान पर भीड़ होगी और स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहने वाले दूध को बेचने के लिए दर-दर घूमना पड़ेगा। वैसे ही यहां पर सच को तकलीफ होगी और मक्कारी, चरित्रहीन तथा किसी के साथ भी ईमानदार नहीं रहने वाले सुखी रहेंगे। लेकिन साथ ही ऐसे लोगों का हिसाब सदैव भगवान करने की बात भी कही गई है, इसका भी ध्यान रखना जरूरी है।

पौने तीन हजार से अधिक मतदाता करेंगे जिला बैंक के लिए मतदान

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्टूबर अमरावती-

अमरावती सहकारी बैंक के चुनाव की सभी तैयारियां लगभग हो गई हैं। चुनाव का बिगुल बजकर अंतिम मतदाता सूची भी जारी हो गई है। चुनाव को लेकर सहकार क्षेत्र में जहां उत्सुकता है, वहीं दूसरी ओर इस बार बैंक के चुनाव में कौन बाजी मारेगा, इसको लेकर किसानों की निगाहें लगी हैं। चुनावी हलचलों के बीच सहकार विभाग ने बुधवार 14 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची 14 अक्टूबर को जारी कर दी।

सहकार विभाग के सूत्रों के मुताबिक वर्ष 2026-2031 के बैंक के संचालक मंडल के चुनाव में 2871 मतदाता मतदान कर सकेंगे। वर्तमान संचालक मंडल का कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो चुका है। फिलहाल चुनावी कार्यक्रम की घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। वर्तमान में प्रशासक राज के तहत बैंक का कामकाज हो रहा है। नए संचालक मंडल के गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना के बीच राजनीतिक गुटों ने अभी से जिला सहकारी बैंक पर कब्जे के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। चुनावी कार्यक्रम की घोषणा भले नहीं हुई है लेकिन विधायक बच्चू कडू-अभिजीत देपे तथा कांग्रेस से बबलू देशमुख और वीरेंद्र जगताप ने बिसात बिछानी शुरू की है।

शिक्षक विधायक का चुनाव २३ अक्टूबर को जीत के लिए सभी प्रत्याशी लगा रहे जोर, प्रतिबंधक आदेश 16 से 30 अक्टूबर तक जारी

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्टूबर

अमरावती- शिक्षक विधायक के लिए आगामी शुक्रवार 23 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा। चुनाव को लेकर मैदान में उतरे सभी उम्मीदवारों द्वारा जहां जी-जान से प्रयास किया जा रहा है, वहीं इस चुनाव में 35 हजार से अधिक शिक्षक किससे अपना प्रतिनिधि बनाते हैं, इस पर भी सभी की निगाहें लगी हुई हैं।

चुनाव आयोग द्वारा तय कार्यक्रम के मुताबिक, महाराष्ट्र लेजिस्लेटिव काउंसिल के अमरावती विभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए वोटिंग प्रोसेस शुरूवार, 23 अक्टूबर को होगी। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा कराए गए शिक्षक विधायक



चुनाव के वोटिंग तरीके और कमीशन द्वारा कराए गए दूसरे आम चुनावों के वोटिंग तरीके में बुनियादी फर्क है। लेजिस्लेटिव काउंसिल चुनाव के लिए वोटिंग बैलेट पेपर पर कैंडिडेट्स के नाम के सामने प्रेफरेंस ऑर्डर रिकॉर्ड

करके की जाती है। प्राथमिकता ऑर्डर चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशी के सामने रिकॉर्ड किया जा सकता है। इस अलग वोटिंग तरीके की वजह से, रिटर्निंग ऑफिसर और डिविजनल कमिश्नर नयना गुंडे ने वोटर्स, खासकर

पहली बार वोट देने वालों से अपील की है कि वे इस तरीके को जानें और सही तरीके से वोट करने का आग्रह किया है।

ऐसे करें वोट- इस चुनाव में वोट देने के लिए, इलेक्शन ऑफिसर को बैलेट पेपर के साथ दिए गए वायलेट स्केच पेन का ही इस्तेमाल करना चाहिए। वोटिंग के लिए किसी दूसरे पेन, पेंसिल, बॉलपॉइंट पेन या किसी दूसरे लिखने वाले इंस्ट्रूमेंट का इस्तेमाल नहीं करना है। स्पष्ट किया गया है कि ऐसा करने से आपका बैलेट पेपर इनवैलिड हो जाएगा। चुनाव में प्राथमिकता वाले कॉलम में, कैंडिडेट के नाम के सामने, उस कैंडिडेट के नाम के आगे **शेष पेज 7 पर**

किसानों की दीपावली अंधेरे में जाएगी

सांसद बलवंत वानखडे ने सरकार को सुनाई खरी-खरी

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्टूबर अमरावती- मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के नेतृत्ववाली सरकार पर जमकर बरसते हुए जिले के पांच हजार से अधिक किसानों के लिए तत्काल राहत पैकेज की मांग जहां संतरा उत्पादक किसानों ने किया है, वहीं दीपावली के पूर्व किसानों के खाते में 5 हजार रूपए अग्रिम देने की घोषणा की सांसद बलवंतराव वानखडे ने खिल्ली उड़ाई है। उनके मुताबिक राज्य सरकार किसानों के साथ इस



तरह भद्दा मजाक कर रही है।

बुधवार को सरकार के खिलाफ जारी बयान में वानखडे ने कहा कि किसान सूखा महंगाई तथा फसलों की बर्बादी से त्रस्त हो रहे हैं और सरकार ने 5 हजार की मदद की घोषणा कर उनके जख्मों पर नमक डालने का काम किया है। लाखों रूपए की फसल बर्बाद हो गई है।

रियल होलसेल शोपिंग मॉल

रियल सेल

श्रद्धा बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी की छूट ही 10% से 60% तक की छूट भी

■ 2 ग माला, तखतमल इस्टेट, अमरावती.

■ L4 बिजिलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

शुक्रवार | शनिवार | रविवार

लगभग आधी किमते

फ्रेश स्टॉक

डायरेक्ट फैक्टरी

सेल

आराधना®

होलसेल शॉपिंग मॉल

• वतारसी शाहू • डिझायनर साड्या • घाघरा ओढवी • सतवार सुट • इस मटेरियल • रेडीमेड कोट • सुटिंग-शर्टिंग • टिबेज वेअर • किड्स वेअर

जवाहर रोड, अमरावती. ☎ 2574594

L-2, बिजिलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

ठगी, धोखाधड़ी से त्रस्त हो रहे हैं नागरिक

शहर के साथ ही देश में सायबर धोखाधड़ी, नौकरी के नाम पर ठगी के साथ ही धोखेबाजी के नए-नए तरीकों ने लोगों को त्रस्त कर दिया है। स्थिति यह है कि सुविधाओं ने लोगों की जेब साफ करना भी शुरू कर दिया है। ऐसे में फोन पे अथवा नेट बैंकिंग से व्यवहार भी खतरनाक हो रहा है। लोगों की मेहनत की कमाई ठगबाज बड़ी आसानी से आधुनिकता के सहारे लूट रहे हैं। पुलिस से भी दो कदम आगे अपराधी चलने वाली स्थिति है। देश में नौकरी के नाम पर आर्थिक धोखाधड़ी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इससे जहां बेरोजगारों के साथ घटिया मजाक होता है वहीं दूसरी ओर नौकरी लगने के नाम पर लाखों रुपए से ठगने का एहसास होने पर पूरा परिवार सदमे में आ जाता है। नागपुर के छह आरोपियों ने सूची समझी साजिश के तहत अमरावती शहर के भाई बहन को दिल्ली स्थित भारतीय खाद्य निगम के मुख्यालय में नौकरी लगने का झांसा देकर 62 लाख रुपए से ठग लिया। फर्जी नियुक्ति पत्र देकर आरोपियों ने 6 महीने तक घमाया इस मामले में राजापेठ पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला और उसका भाई गोपाल नगर निवासी हैं। इन आरोपियों ने नौकरी के नाम पर और कितने लोगों को ठगा है इसकी गहन जांच कर आरोपियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

बेरोजगारी आज युवाओं के सामने एक बड़ी चुनौती है और इसी मजबूरी का फायदा उठाकर नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह सक्रिय हो रहे हैं। आकर्षक वेतन, सरकारी नौकरी, विदेश में रोजगार या प्रतिष्ठित कंपनियों में नियुक्ति का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से पैसे ऐंठने के मामले लगातार चिंता बढ़ा रहे हैं। नौकरी की तलाश में युवा अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं और बाद में पछतावे के अलावा उनके हाथ कुछ नहीं लगता। नौकरी दिलाने के नाम पर पंजीयन शुल्क, दस्तावेज सत्यापन, प्रशिक्षण, सुरक्षा जमा या अन्य बहानों से रकम वसूलना ठगी का आम तरीका बनता जा रहा है। कई बार फर्जी नियुक्ति पत्र और ऑनलाइन साक्षात्कार के माध्यम से भी युवाओं को विश्वास में लिया जाता है। ऐसे मामलों में केवल युवाओं को सावधान रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है। पुलिस और साइबर अपराध शाखा को नौकरी के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी के मामलों पर विशेष निगरानी रखनी चाहिए। फर्जी रोजगार एजेंसियों और ऑनलाइन विज्ञापनों की जांच के साथ दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है। युवाओं को भी किसी अनजान व्यक्ति या संस्था को नौकरी के बदले पैसे देने से पहले पूरी तरह सत्यापन करना चाहिए। धोखेबाजों को कड़ी सजा नहीं होने के कारण यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। यही कारण है कि लोगों में अविश्वास सिस्टम को लेकर हो रहा है।

शक्ति का प्रतीक पर्व है नवरात्रि उत्सव

भारतीय संस्कृति और सोच दोनों ही महान हैं। यही कारण है कि हमारे यहां हर पर्व कोई न कोई संदेश देता है। फिलहाल नवरात्रि का पर्व शुरू है, इस पर्व के दौरान जहां महिलाओं का सम्मान करना चाहिए, वहीं दूसरी ओर मां दुर्गा का शक्ति का रूप माना जाता है और यही कारण है कि प्यार में महिलाओं की बराबरी कोई नहीं कर सकता है, वहीं नफरत पर उतर आए तो उन्हें कोई हरा नहीं सकता है। महिलाओं में हर तरह की क्षमता जहां उन्हें सदैव आगे रखती है, वहीं दूसरी ओर नवरात्रि का 9 दिनों का त्यौहार महिलाओं की शक्ति के प्रतीक के रूप में प्रेरणा और हिम्मत देने का काम करता है। महिलाओं में विधाता अथवा प्रकृति ने अपार क्षमता दी है, वह फूल से कोमल है तो पत्थर से भी अधिक कठोर भी बनना जानती है। यही कारण है कि महिलाओं की ज़िद के आगे प्रभु श्रीराम सहित बड़े-बड़े राजा-महाराजाओं को भी झुकना पड़ता है। प्रेम में वह जहां विलक्षण है, वहीं अगर किसी बात को लेकर नफरत करने लगे तो दुनिया की पूरी ताकत एक ओर होने के बाद भी उसे इससे कोई परावृत्त नहीं कर सकता है।

नवरात्रि का उत्सव 11 अक्तूबर से शुरू है, इस दौरान मां दुर्गा के विभिन्न 9 रूपों की आराधना की जाती है। इस दौरान जहां अपार भक्तिभाव



विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199



तथा उत्साह का माहौल रहता है, वहीं करोड़ों लोगों द्वारा मां दुर्गा की आराधना, पूजा-अर्चना और माता मंदिरों में दर्शन के लिए भीड़ उमड़ती है। भक्तों पर जहां मां दुर्गा कृपा करती हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं का सदा सम्मान करना चाहिए, यह सीख भी नवरात्रि उत्सव का यह धार्मिक पर्व देता है।

अमरावती में विदर्भ स्वामिनी मां अंबा और एकवीरा देवी का मंदिर भी प्राचीन और जागृत मंदिर के रूप में सुख्यात है। वहीं मालखेड का जय अंबे शिव मंदिर भी प्रसिद्ध है। अंबा तथा एकवीरा देवी मंदिर में रोज हजारों की संख्या में

महिला, पुरुषों के साथ ही बाल-गोपाल माता रानी के दर्शन कर अपना जीवन धन्य करते हैं। भारतीय त्यौहार केवल त्यौहार नहीं होते हैं, यह कई लोगों को रोजगार देने का माध्यम होते हैं। भक्तिभाव से लेकर कर्म की महत्ता बताते हैं। नवरात्रि में फूल बेचने वाले से लेकर फल बेचने वालों का व्यवसाय बढ़ जाता है। बाजार में भी रौनक आती है और महिलाओं के गरबा खेलने से स्वास्थ्य को बेहतरीन लाभ होता है। इस दौरान अपार उत्साह रहने के कारण ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी से जूझने वाली महिलाओं के लिए भी त्यौहार स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतरीन भूमिका निभाता है। त्यौहारों के माध्यम से जहां बाजार में रौनक आती है, वहीं दूसरी ओर इस त्यौहार के माध्यम से महिलाओं में उत्साह के साथ ही कई बीमारियां भी शारीरिक मेहनत के कारण दूर होती हैं। कुल मिलाकर भक्ति की शक्ति से शक्ति की आराधना करने से महिलाएं शक्तिशाली बनती हैं। इस दौरान केवल पवित्रता का ध्यान रखना चाहिए, वर्ना उसका दंड भी संबंधितों को मिलने के कई उदाहरण हैं। पवित्रता के साथ मां की आराधना जीवन को खुशियों से लबरेज करती है, इतना तय है।

संघर्ष ही होता है सफलता का राज

राजेश दुबे के जन्मदिन 12 अक्तूबर पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

जीवन में सफलता सभी को प्यारी लगती है लेकिन अक्सर लोग यह भूल जाते हैं कि गरीबी, मजबूरी ही सदैव संघर्ष और सफलता की जननी होती है। संघर्ष को ही सफलता का पर्याय मानने वाले धीरहरा निवासी और फार्मसी कंपनी में उच्च पद पर आसीन रहने वाले राजेश कुमार दुबे का व्यक्तित्व भी कुछ इसी तरह का है। 12 अक्तूबर को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं। उनका मानना है कि सीखने की सबसे बड़ी पाठशाला गरीबी होती है, यह सब कुछ सिखा देती है। कोई इसे ताकत बनाता है और कोई कमजोरी समझकर जिंदगी भर मजबूर रहता है।

उत्तर प्रदेश की पड़ोसी तहसील के अंतर्गत आने वाले दलापांडे का धीरहरा गांव छोटा सा गांव है। यहां रामप्रसादजी दुबे के यहां पर राजेशकुमार का जन्म हुआ। बचपन से ही संकोची, संवेदनशील और मेहनती राजेश ने पढ़ाई भी अर्निंग विथ लर्निंग के साथ की। बचपन से ही पढ़ने में अत्यधिक कुशाग्र बुद्धि के थे। समस्याओं से कभी नहीं डरे और तब तक मेहनत करते रहे, जब तक सफलता ने कदम नहीं चूमा। लोगों के पास चार पैसे आने के बाद



विदर्भ स्वाभिमान

जन्मदिन हार्दिक शुभकामनाएं

विनम्रता भूल जाते हैं, लेकिन राजेश दुबे की विनम्रता की सराहना कंपनी के सभी सहयोगी और गांववासी भी करते हैं। उनका स्वभाव, निर्मल मन और स्पष्टता निश्चित ही प्रभावित करती है। दुनिया में कोई भी परिपूर्ण नहीं है लेकिन इतना तय है कि कई बार भावनाओं को समझने में कमी के कारण व्यक्ति का व्यक्तित्व प्रभावित होता है। अपनी बहुआयामी प्रतिभा, रचनात्मक सोच और दिलदार व्यक्तित्व के कारण लोगों के दिलों में जल्दी जगर बना लेते हैं। काम के प्रति

समर्पण के कारण उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। सहज स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सकारात्मक सोच उनके व्यक्तित्व को और प्रभावी बनाती है। राजेश आदर्श संस्कारों से जहां परिपूर्ण हैं, वहीं सम्मन्नता में भी विनम्रता के कारण किसी के भी दिल में जल्दी जगह बना लेते हैं। आदर्श पुत्र, आदर्श पिता के साथ ही आदर्श पति के रूप में लोगों के लिए किसी आदर्श से कम नहीं है। बड़ों का सम्मान और छोटों को प्यार उनकी खूबी है। वे अपनी रचनात्मकता के माध्यम से लोगों के बीच आनंद, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में विश्वास रखते हैं। मिलनसार स्वभाव रहने से कहीं भी जल्दी घुल-मिल जाते हैं, साथ ही थोड़ा सम्मान, अपनापन मिलने पर भावुक हो जाते हैं। छोटे से गांव से लेकर हिमाचल में एशिया की सबसे बड़ी फार्मासी कंपनी में गुणवत्ता प्रबंधक के रूप में सेवा दे रहे हैं। दोनों बेटे पिता के आदर्शों पर चलकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, वहीं पत्नी का मजबूत साथ है। युवा सोच, प्रज्वलित इरादे और सेवा का है मान, आप जैसे से ही बढ़ता है समाज का सम्मान, हर दिन नई ऊँचाइयों को छूते रहे आप, जन्मदिन पर यही है हमारी शुभकामना खास

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय, छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती में प्रकाशित किया गया है। मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189. अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं। इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सी.वीणा सुभाषचंद्र दुबे. Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com. www.vidrabhswabhiman.com. rni. no MAHHIN/2010/ 43881

जिनका मन है निर्मल, भाव में रहता है सेवाभाव



स्वार्थ भारी दुनिया में बहुत कम लोग निर्मल, निस्वार्थ रूप से अपना कार्य करते हैं. सौ. अनुराधा

हेमंतकुमार पटेरिया निर्मल मन और सेवाभाव का व्रत पालने वाली महिला हैं. सेवा का भाव सदैव उन्हें सुकून देता है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जाए का सिद्धांत उन पर पूरी तरह से बैठता है. न्यू गणेश कॉलोनी निवासी

सौ. पटेरिया परशुराम अन्नदान समिति के माध्यम से जहां गरीबों के भोजनदान यज्ञ में सेवा देती हैं, वहीं दूसरी ओर समाज कामों में भी सदैव अग्रणी रहती हैं. उनका मानना है कि अहंकार को बजाय समाज एकता से मजबूत होता है. भाभी का मिजाज सख्त है लेकिन भीतर से ममता, प्रेम, अपनापन, किसी के दर्द को महसूस करने के साथ मदद को सदैव तत्पर रहती हैं. उनका कोमल मन सदैव किसी के लिए भी दुखी होता है. किसी का दुख वह देख नहीं पाती हैं. शहर में जिज्ञासिता ब्राह्मण समाज की सेवास्तंभ और समाज के कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले

परिवार के रूप में पटेरिया परिवार का उल्लेख किया जाता है. भाभीजी कहती हैं कि प्रभु ने जितना समर्थ किया है, इसमें अगर किसी को मदद की जा सकती है तो करने का प्रयास करना चाहिए. बिना किसी तरह के प्रचार के वे सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहती हैं. भाभी को जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, मां जगदंबा की आप तथा परिवार पर सदैव कृपा बनी रहे, प्रभु चरणों में यही कामना. जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.



शुभेच्छुक-

सौ. अनुराधा हेमंत
कुमार पटेरिया
को जन्मदिन की हार्दिक
शुभकामनाएं

विदर्भ स्वाभिमान



दिशा सालियान मामले में मिली धमकी, वकील, पिता ने मांगी पुलिस सुरक्षा

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्तूबर
ठाणे- समूचे देश को हिलाकर रखने वाले दिशा सालियान हत्याकांड के मामले में पैरवी कर रहे वकील नीलेश ओझा ने रविवार को कहा कि दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान, समीर वानखेड़े, आशुतोष पाठक और स्वयं उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) नेताओं से धमकी मिलने का आरोप लगाते हुए पुलिस सुरक्षा की मांग की है. उनके मुताबिक नेताओं से मिल रही धमकी के कारण उक्त सभी परेशान हैं.

इस मामले में सतीश सालियान का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ओझा ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सीबीआई, मुख्य न्यायाधीश और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है. ओझा ने आदित्य ठाकरे को वाई प्लस सुरक्षा दिए जाने पर सवाल उठाया. कहा कि जिन लोगों ने मामले को सामने लाया और जिन्हें काथित तौर पर धमकियां मिलीं, उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ दिया गया. पत्र में गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स ब्यूरो के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आदित्य ठाकरे ड्रग्स के कारोबार में शामिल हैं.

इसके अलावा अब उनके खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और मामले को दबाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है. इस मामले में कई अन्य हाई-प्रोफाइल लोग और पुलिस अधिकारी भी आरोपित बनाए गए हैं. उन्होंने कहा कि हमने पहले ही सभी शुरुआती सबूत दे दिए हैं. सीबीआई ने जांच के दौरान दोषी ठहराने के लिए जरूरी सभी चीजें हासिल कर ली हैं. फिर भी आरोपित को अभी प्रशासन की ओर से वाई प्लस सुरक्षा मिल रही है. इस पर भी वकील ने हैरत जताई. साथ ही संबंधितों को सुरक्षा देने की मांग की.

कुछ चीजें सिर्फ खबर नहीं होती...

वो हमारे जीवन का हिस्सा होती हैं...

हर दिवाली, सिर्फ घर ही नहीं, रिस्ते भी रोशन होते हैं... और इन रोशनी के बीच, विदर्भ स्वाभिमान का दीपावली विशेषांक, हमारे घर की एक अनोखी परंपरा है...

दादा की यादें, पिता का अनुभव, बच्चों के सपने और घर की बातें... सब कुछ एक साथ समेटे होता है विदर्भ स्वाभिमान का दीपावली विशेषांक।

हर साल दिवाली पर हम सब एक साथ बैठकर विदर्भ स्वाभिमान का विशेषांक पढ़ते हैं... इसमें सिर्फ खबरें नहीं, हमारे विदर्भ की धड़कन होती है... विज्ञान की मेहनत, युवाओं के सपने, हमारे शहरों की प्रगति, हमारे व्यापार की कहानी, हमारी संस्कृति, हमारा इतिहास... यही तो है हमारा विदर्भ, यही है हमारी पहचान...

हमारे विशेषांक की खासियत

- विदर्भ की विशेष कहानियाँ
- सफल लोगों के प्रेरणादायक अनुभव
- कृषि, उद्योग और व्यापार के अवसर
- शिक्षा, रोजगार और युवाओं की दिशा
- हमारे शहरों का विकास
- संस्कृति, परंपरा और त्योहारों की रोशनी
- स्वास्थ्य, समाज और जागरूकता
- परिवार के लिए उपयोगी जानकारी
- सुंदर लेख, झोटे फीचर और विशेष सामग्री

सब की आवाज, जनता की ताकत

विदर्भ स्वाभिमान

दीपावली विशेषांक 2026

— हमारे विदर्भ की खुशियों, संघर्षों और संभावनाओं का उत्सव —

इस दिवाली, अपने व्यवसाय का संदेश हजारों परिवारों तक पहुँचाएँ... विदर्भ के हर घर तक...

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

9423426199 / 8855019189

विशाल पाठक वर्ग तक सीधी पहुँच

आपके व्यवसाय की मजबूत पहचान

विश्वसनीय और प्रभावशाली माध्यम

कुबेर से उधार को लेकर लक्ष्मी से जताई चिंता

गतांक से जारी- पद्मावती के साथ वेंकटेश्वर सखी जीवन बिताते लगे थे. इस रूप में कुछ दशकों के बीत जाने के बाद श्रीनिवास ने अपने मन में इस रूप में सोचा. 'सिरि से अलग होकर मानव बनकर इतने वर्ष बिताते रहे. अब उससे अलग रहना संभव नहीं है. उसे फिर से वक्ष पर धारण कर लेना चाहिए. किसी भी रीति में प्रार्थना करके स्नेह से उसे यहाँ पर लाना चाहिए. ऐसा नहीं कर पाऊँगा, तो मेरे सारे कार्य नहीं होंगे. कीर्ति भी नहीं मिलेगी. कुबेर से लिये उधार को भी चुकाने का उपाय भी मन में नहीं आयेगा.' ऐसा सोचते सदा मन में चिंता करते हरि आर्ति बनकर मनुष्य के रूप में विरक्त होते रहे. सब कुछ भूल कर अपने आप में लीन रहते, पद्मावती के मंदिर के सारे भोगों के बारे में भी मन में ही नहीं लाते थे. तब पद्मावती हरि सर्व वैराग्य की इस दशा को देख कर भयभीत हो गयी. एक दिन एकांत के समय हरि से इस रूप में पद्मावती ने कहा. 'श्री स्वामी! अब आपके चेहरे में एक चिंता दिखाई पड़ रही है. जो आपके मन में है. इस समय आपके मन में ऐसी चिंता क्यों है? उसका क्या कारण है? छिपाये बिना बताइए.' कहते हुए हरि के चरणों पर सर रखकर बिना छोड़े अनेक प्रकार से उन्होंने विनति की. इस रूप में बहुत बार विनति करने के बाद सति को अपने हाथों से ऊपर उठा कर हित के साथ पुचकारते हुए पद्मावती को आर्तिन करके अन्योन्य प्रेम के साथ

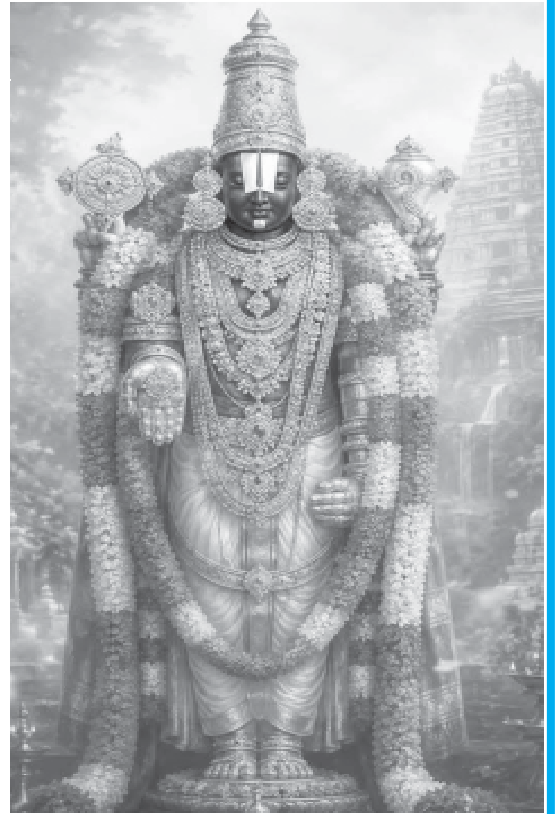
विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरुवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण

www.vidarbhsrabhiman.com/9423426199

श्रीनिवास ने पद्मावती की ओर देखते हुए इस रूप में कहा. 'सुनो हे पद्मावती विचारणा के साथ तुमको बताऊँगा तब मैं अकेला निर्दिधार निर्गुण ब्रह्म के रूप में अनरि अलग हुए किन्ना मूल प्रधान बनकर नार्यामियान पकार बिका साक्षी सङ्क पचाने मुझे प्राप्त करने से बहुत आलंय हुआ था. बाद में माहदादि तन्य सब पैदा हुए. उसके सम्मेलन से काम से पृष्टि हुई. वह सृष्टि पुरे जगत में फैल गयी. तब मैं उस पुरे जगत का काल बनण्या तब मैंने ब्रह्मादि को पैदा किया. यह पूरा जगत मुझमें मौन रहता है. हे मृगणार! व्याह पुनरा जाणत मुझमें ही दीपित होता रहता

है. पार पूरा महान्य मुझे उस ओकांता के कारण प्राप्त हुआ है. अब ऐसी लक्ष्मी के आसप होने से मुझे बड़ी चिंता सता रही है. अया के रूप में, सिसकार बान्तकर, अचल होकर रहनेवाले मुझे महान संदर आकार दिया है. मेरे साथ-साथ सुंदनांगो बनकर यह रहा. साथ ही गस्तर कल्याण गुण मुझे दिया. मुझे इस रूप में महान बनाया. उस दिन से चखंड में रहनेवाली चांदनी के रूप में व्यवहार करते हुए लक्ष्मी मेरे साथ रही है. इस कार्य में आनंद से रहते समय एक दिन भृगु ने आकर सिर से वक्षस्थल पर लात मारी. इससे लक्ष्मी मुझसे रूठकर मुझे छोड़कर कोल्हापुर चली गयी. मेरो सारी सर्वज्ञता



तब लक्ष्मी के साथ यात्री गायों में बैकंठ पीपल वृक्ष के नीचे वाल्मीक में से निकल कर मार्ग खोकर इस गिरौ दुबक कर रहा. सजना को खोने के पर चीन बनकर यहाँ पर रानोमा से कारण में वैसे ही पड़ा रहा.

कर्मठ, सेवाभावी के साथ मानवता धर्मप्रेमी व्यक्तित्व

अभिषेक पंजापी के जन्मदिन पर विशेष, दिलदार यार हैं

अमरावती में व्यवसाय, समाजसेवा, राजनीति के क्षेत्र में जिले में स्वयं की स्वतंत्र पहचान रखने वाले युवा उद्यमी अभिषेक पंजापी ने शून्य से संसार का निर्माण किया. दिलदार यार के रूप में हजारों मित्र बनाए हैं, वहीं कामवावी के साथ ही विनम्रता उनकी खूबी है. सम्पन्नता में भी कोई व्यक्ति किस तरह मिलनसार, मददगार और किसी भी नेक काम में आगे बढ़ने वाला कैसे हो सकता है. सिंधी समाज ही नहीं तो पूरे शहर में अभिषेक पंजापी को कर्मठ युवा के रूप में पहचाना जाता है. स्थानीय से लेकर सांसद और मंत्री तक परिचय रहने के बाद भी उनकी सादगी, उनका अपनापन लोगों को जोड़ने का काम करता है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलय हार्दिक शुभकामनाएं. वे जीवन में स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

माता-पिता के भक्त हैं

वे बताते हैं कि जो बेटा माता-पिता को खुश कर ले, उनकी सेवा का पुण्य प्राप्त कर ले, उसी कहीं जाने की जरूरत नहीं है. वाहे गुरू उसकी हर इच्छा पूरी

विदर्भ स्वाभिमान



अभिषेक पंजापी

Happy Birthday!

करते हैं, इसका स्वयं उसने अनुभव किया है. माता-पिता, परिवार से बड़ा सुख नहीं होने और सभी रिश्तों को जहां अभिषेक पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी ओर लाखों की संख्या में मित्र उसने तैयार किया है, जो उसके एक शब्द पर तैयार रहते हैं. माता-पिता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. संस्कृति और संस्कारों का जीवन में अत्याधिक

महत्व रहता है. यह कहना है माता-पिता की सेवा में समर्पित सुपुत्र अभिषेक पंजापी का. पिता के साथ ही माता की सेवा में लगातार स्वयं को झोंकने वाले अभिषेक शहर के जाने-माने युवा उद्यमी और समाजसेवी हैं. अनगिनत संगठनों के पदाधिकारी के साथ ही मानव सेवा के कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. उनका कहना है कि हम जब अच्छा करते हैं तो हमारे साथ भी सदैव अच्छा ही होता है. भाजपा की विचार धारा रखने के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही करीबी संबंध रखने वाले रामपुरी कैम्प निवासी अभिषेक पंजापी सेवा के कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. इससे क्षेत्र ही नहीं तो शहर में भी लोकप्रिय हैं. वे कहते हैं नेक इरादों के साथ किया गया कोई भी कार्य प्रभु द्वारा असफल नहीं होने देने का विश्वास ही उन्हें सदैव आगे बढ़ाता रहा है. शहर के सामाजिक उपक्रमों में जहां अभिषेक पंजापी ने अपना नाम चमकाया है, वहीं सक्रिय समाजसेवी युवक के रूप में उनके कार्यों की सराहना न केवल अमरावती बल्कि विदर्भस्तर पर होती है. जन्मदिन पर शुभकामनाएं.

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं



अभिषेक पंजापी

युवा सोच, मजबूत इरादे और सेवा का है मान आप जैसे मित्र से ही बढ़ता है समाज का सम्मान हर दिन नई ऊँचाइयों को छूते रहें आप, जन्मदिन पर यही है हमारी शुभकामना खाए।

—शुभेच्छुक—

अभिषेक पंजापी मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान
अखबार परिवार, अमरावती

आदित्य, अमित ठाकरे सहित 25 शिवसेना नेताओं पर अपराध दर्ज

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्तूबर
मुंबई—मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं की हिरासत के खिलाफ शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करने के मामले में मुंबई पुलिस ने कड़ा एक्शन लिया है। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नेता अमित ठाकरे समेत 25 नेता शामिल हैं।

मुंबई पुलिस द्वारा यह कार्रवाई कल हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में की गई है। इन पर गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा होने और सार्वजनिक व्यवस्था के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप हैं। ब्रह्मचर्य नामजद अन्य प्रमुख नेताओं में गृह नेता संदीप देशपांडे और शिवसेना नेता वरुण सरदेसाई और महेश सावंत शामिल हैं। यह मामला आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में तब दर्ज किया गया, जब विरोध मार्च बिना जख्मी पुलिस मंजूरी के निकाला गया और आरोप है कि इससे दक्षिण मुंबई में लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन हुआ।

अधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (एच) की कई धाराएं लगाई हैं। यह मामला एच की धारा 189(2) (गैर-कानूनी सभा के लिए सजा) के साथ-साथ धारा 37(1), 37(3) और 135 के तहत दर्ज किया गया है, जो सरकारी कर्मचारी द्वारा जारी आदेशों की अवहेलना और संबंधित

अपराधों से जुड़ी हैं।

बताते चलें कि बीते रविवार को शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नेता अमित ठाकरे ने शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। दोनों नेता हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग कर रहे थे।

भारत के लोगों से डरी हुई है भाजपा सरकार—हिरासत के बारे में बात करते हुए, आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर उन नागरिकों से डरने का आरोप लगाया जो विरोध करने के लिए सड़कों पर उतर रहे थे। उन्होंने कहा, सरकार भारत के लोगों, भारत के नागरिकों से डरी हुई है। और इसीलिए आप देख रहे हैं कि वे हर उस भारतीय को गिरफ्तार कर रहे हैं जो देशभक्त है और सड़कों पर उतर रहा है। इस दौरान दोनों नेताओं ने उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना शिंदे गट के प्रमुख एकनाथ शिंदे पर भी व्यंग कसते हुए कहा कि अब वह क्या कर रहे हैं। जो लोग हमसे दूर होकर एनडीए में शामिल हो गए, वे सभी गद्दार अब क्या कह रहे हैं? एकनाथ शिंदे कहाँ छिपे हैं? उनके साथ गए छह सांसद कहाँ छिपे हैं? उनके सभी सहयोगी कहाँ हैं? सीईसी को लेकर देशभर में प्रदर्शन किया जा रहा है। इससे पुलिस को परेशानी हो रही है।

एक आवाज़ खामोश हुई... विचार हमेशा ज़िंदा रहेंगे

नाना पाटेकर (1951 - 2026)
भावपूर्ण श्रद्धांजलि



भारतीय सिनेमा के अद्वितीय अभिनेता, बेबाक विचारों के लिए जाने जाने वाले और आम आदमी की आत्मा बनकर घरे पर जीने वाले नाना पाटेकर का आज 8 अक्टूबर 2026 की सुबह गैरकाल में देह त्यागने से निधन हो गया।
वे 75 वर्ष के थे। उनके पुत्र मन्ना पाटेकर ने निधन की खबर को सुनते ही अचानक अस्पताल में प्रवेश करके 3-20 बजे मृत घोषित किया गया।

एक कलाकार होते हुए, लेकिन उनका साहस, संवेदना और समाज के लिए निष्ठा कल्पना के आगे बढ़ा जा रहा।

कला में
ईशान्वारी,
जीवन में
मानवता...



सिनेमा को दी नई भाषा

नाना पाटेकर ने अपने दमदार अभिनय से हिंदी और मराठी सिनेमा को एक अलग पहचान दी। उनकी फिल्में परिचय, खोलिबीर, तिरंगा, प्रहार, अब तक छप्पन, नटसम्राट और वैतान सिनेमा के लिए नई, बेबाक भाषा, राजनीति और इंसान की जटिलताओं पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने नायक के पारंपरिक ढांचे को तोड़कर आम आदमी के संघर्ष, गुस्से और आत्मसम्मान को सच्चाई के साथ दर्शाया।

क्यों याद रहेंगे नाना?

सम्मान और उपलब्धियाँ

उनके उत्कृष्ट अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें फ़ेम श्री से भी नवाजा गया। वे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों के विजेता रहे और उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे गंभीर, प्रतिभाशाली और प्रभावशाली अभिनेताओं में हमेशा याद किया जाएगा। उनके अभिनय में दिखने वाली साहसी, ताकत और अखंडता ने उन्हें 80-90 की फिल्मों का पसंदीदा कलाकार बनाया।

समाज के लिए योगदान

नाना पाटेकर सिर्फ पर्दे के कलाकार नहीं, बल्कि समाज के बीच खड़े रहने वाले इंसान थे। मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर उन्होंने 'नाम फाउंडेशन' की स्थापना की, जिसके माध्यम से सुशासना किमानी को अधिक साक्षरता, खेती के लिए कदम और आत्मनिर्भरता के प्रयासों को समर्थन दिया। वे हमेशा कहते थे कि किसान देश की रीढ़ हैं — और इस सोच को उन्होंने अपने कामों से साबित किया।

“नाना पाटेकर ऐसे कलाकार थे, जिन्हें सिर्फ अभिनय के लिए नहीं, बल्कि उनके विचारों, ताकत और मानवता के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने सिखाया कि कला का अर्थ सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज को आगे बढ़ाना भी है।”

- बेबाक और निष्पक्ष कलाकार
- अपने आदर्शों की पीढ़ी को पढ़ने पर जोर देने वाले थे
- समाज की कमजोरियों पर तीखे लेकिन संवेदनशील टिप्पणियाँ
- किमानी और वंशियों के लिए समाज का काम
- सबसे लोकप्रिय, बिना दिखावे की इमरत

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं



—शुभेच्छुक—

विदर्भ स्वाभिमान अखबार अमरावती, समस्त दुबे परिवार
दलापाण्डेय का धौरहरा तथा असंख्य मित्र परिवार,

राजपुराहीत

फोटो स्टुडियो

- | | |
|------------------------------|------------------|
| वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी |
| इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी | |
| HD वीडियो शूटिंग | इंस्टाग्राम रील |
| कॉफी मग प्रिंटिंग | ड्रोन शूट |
| फोटो अलबम | मोबाइल प्रिंटिंग |



नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

शहर का सर्वांगीण विकास मेरा सपना : आशीष अतकरे

छाया कॉलोनी वासियों ने किया दर्शन, सरल स्वभाव और विकास की सोच से बने लोकप्रिय

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्तूबर अमरावती- जहां चुनाव तक ही मतभेद रहते हैं और बाद में सभी जनप्रतिनिधि शहर तथा क्षेत्र के विकास को अग्रक्रम देते हैं, वही क्षेत्र विकास में आगे रहता है. गड़गड़ेश्वर प्रभाग के भाजपा नगर सेवक और भावी महापौर प्रा. आशीष अतकरे का स्वभाव भी कुछ ऐसा ही है. उन्होंने विदर्भ स्वाभिमान अखबार कार्यालय को भेंट देकर प्रभाग के साथ ही शहर विकास के बारे में भी बातचीत की. इस मौके पर संपादक सुभाष दुबे, समाजसेवी राजेश बनारसे, मनोज मोहोड सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं.

उनके मुताबिक राजनीति में पद और प्रतिष्ठा से अधिक महत्व जनता के बीच अपनी पहचान बनाने का होता है. सादगीपूर्ण जीवनशैली, सहज व्यवहार और जनसेवा के प्रति

समर्पण किसी भी जनप्रतिनिधि की पहचान को विशेष बनाते हैं. भाजपा के आशीष अतकरे का व्यक्तित्व भी इन्हीं गुणों के संदर्भ में चर्चा का विषय है. उनकी सादगी, लोगों द्वारा आवाज देने पर तत्काल पहुंचना, समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करने की खूबियों के कारण वे लोकप्रिय हो रहे हैं. आशीष अतकरे की राजनीतिक पहचान को लेकर सादगी और कर्मठता जैसे गुणों पर विशेष जोर दिया जाता है. जनजीवन से जुड़े मुद्दों को समझना, नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देना और विकास कार्यों के प्रति जवाबदेही बनाने में दिलचस्पी रखते हैं. उनके मुताबिक अमरावती तेजी से विस्तार कर रहा है. शहर में स्वच्छता, अच्छी सड़कें, नियमित जलापूर्ति, बेहतर यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाएं और युवाओं के लिए अवसर महत्वपूर्ण विषय हैं. शहर को विकास की नई दिशा देने के लिए योजनाबद्ध कार्य,



प्रशासनिक समन्वय और पारदर्शिता आवश्यक है. छाया कॉलोनी की महिलाओं के आग्रह पर शारदा उत्सव मंडल छाया कॉलोनी के आग्रह पर साफ-सफाई के अलावा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया. नागरिकों का विश्वास बनाए रखने के लिए जनसंवाद, समयबद्ध निर्णय और विकास कार्यों में पारदर्शिता अहम भूमिका रहती है, इसका निर्वहन करने का भरोसा जताया. विदर्भ स्वाभिमान को आदर्श अखबार बताते हुए सकारात्मक पत्रकारिता की सराहना की. साथ ही ऐसे अखबारों की आज आवश्यकता जताई. उनकी तत्परता पर महिलाओं तथा विदर्भ स्वाभिमान की ओर से कार्यालय में उनका सत्कार किया गया. राजेश बनारसे ने भी आशीष अतकरे के कार्यों की प्रशंसा की.

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन में कभी किसी को तस्लीफ नहीं देने वाले, सभी पर आंख पंद कर गहरोला करने वाले लोगों के साथ दोस्ती अधिक होता है. वे घरेलू भी होते हैं लेकिन जीवन में कभी विपत्ति नहीं होते हैं. जबकि दोस्तीयुक्त करने वाला किसी भी शक्ति नहीं हो, एक समय ऐसा आता है जब उसे कर्मों की सजा प्रकृति देती है और उसे मुक्त बना देता है. हर क्षेत्र में ९९ वेईमान और दस कीसदी से ही कम ईमानदार हैं. सदैव तस्लीफ ईमानदारों को ही होती है. लेकिन इसके बाद भी वह भी अलग संयोग है कि ऐसे लोगों को प्रभु संभाल लेते हैं. इसलिए उनके साथ कोई दोस्ती करने के बाद भी वह उसके प्रति कभी नाराज भाव नहीं रखते हैं. प्रभु को ही निर्मल मन के लोग अधिक पसंद होते हैं. यही कारण है कि वह सदा ऐसे नैतिकता रखने वाले, ईमानदार लोगों की मदद के लिए आगे आता है. छोटे जीवन में तो हमें सदैव इसका अनुभव मिला है. आप भी जीवन में एक बार अवश्य अपनाकर देखें, सही-गलत का कर्म पता चल ही जाएगा.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक www.vidarbhswabhiman.com

श्री चाल्हाजी
■ कॅ ट र र्स ■
आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी
स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी,
गोपाल नगर,
अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो. ८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

बनारसी शालु
लकड़बस्ता
घाघरा ओढणी
लाछा
डिझाईनर साड्या
सलवार सुट
कुर्ती
९ वारी पातळे

विवाह वस्त्र...

मंगल मंगलम्
रत्नाकर

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२

1985 से
श्री आनंद एजेंसीज
सर्व प्रकारचे ऑफिस, होमिटेज, स्कूल, कॉलेज व घरातुी फर्निचर उपलब्ध

उपलब्ध फर्निचर
ऑफिस फर्निचर
होमिटेज फर्निचर
स्कूल फर्निचर
कॉलेज फर्निचर
किचन व ड्रेस फर्निचर

1985 से विश्वविष
ग्राहक सेवा
में उत्कृष्ट

उत्तम गुणवत्ता
वाजवी दर
समय पर डिलीवरी
प्राइमरी सलुटि

राजोकर मार्केट, उमानिवा नवीन समोर,
बस स्टैंड रोड, अमरावती - 444 602
फोन : 9721 2663062

9422995452
9422156496

Email : prakash@anand-easij.com



गुरुवार 15 से 21 अक्तूबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. नवरात्रोत्सव यादगार रहने वाला है. इस दौरान नाहक वाद-विवाद से बचें और आर्थिक रूप से जोखिम नहीं उठाना श्रेयस्कर रहेगा. कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है. अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा. सप्ताह भर आनंददायी स्थिति रहेगी और घर में मेहमानों का आगमन होगा.

मेघ- अपनी टीम को साफ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी. घर पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुरक्षा और कॉन्फिडेंस देगी.

वृषभ- आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा. इन्वेस्टमेंट के कई अच्छे ऑप्शन सामने आ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले उसके फायदे और....

मिथुन- अपने जूनियर्स और क्लीस की हिम्मत बढ़ाने से उनकी काबिलियत बढ़ेगी और आप पर उनका भरोसा और मजबूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे.

कर्क- आपको काम की जगह पर कोई जिम्मेदार पद या ज़रूरी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह- काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादों को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे. जीवन में खुशियाँ बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.

कन्या- इस हफ्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौकों मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तला- अच्छी सेहत आपको पूरे हफ्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी. घर

पर बहुत ज्यादा सख्त या बेसब्र....

वृश्चिक- काम पर नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारियाँ आपको काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मजबूत फ़ाइनंशियल स्थिति....

धनु- कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हेंडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर- काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेयर और सपोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इन्सायर करेगा. अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे.

कुंभ- अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा. घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन सहयोग की भावना रखने से सब कुछ संभव होगा.

मीन- सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेजी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

आपका सप्ताह शुभ हो. विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है.



शिक्षक विधायक के लिए 23 को मतदान

पेज 1 से जारी- नंबर 1 लिखें जिसे आपने अपनी पहली पसंद के तौर पर चुना है. नंबर 1 सिर्फ एक कैंडिडेट के नाम के आगे दिया जाना चाहिए. जितने कैंडिडेट चुनाव लड़ रहे हैं, उतने ही प्रेफरेंस दे सकते हैं, चाहे कितने भी कैंडिडेट चुने जाएं. अपनी पसंद के हिसाब से, ऐसे कैंडिडेट के नाम वाले कॉलम में नंबर 2, 3, 4, वगैरह डालकर बाकी कैंडिडेट के लिए अपनी अगली प्रेफरेंस बताएं.

ध्यान रखें कि आप किसी भी कैंडिडेट के नाम के आगे सिर्फ एक नंबर डालें. साथ ही, यह भी ध्यान रखें कि एक से ज्यादा कैंडिडेट के नाम के आगे एक ही नंबर न डाला जाए. प्रेफरेंस सिर्फ नंबर 1, 2, 3, वगैरह में ही बताई जानी चाहिए. इसे एक, दो, तीन आदि शब्दों से न बताएं. वरीयता क्रम के अंक भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप जैसे 1, 2, 3 आदि में या रोमन रूप या देवनागरी रूप जैसे 1, 2, 3 में या संविधान की आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त किसी भी भारतीय भाषा में प्रयुक्त रूप में अंकित किए जा सकते हैं.

मतदाता को मतपत्र पर अपना नाम, आद्याक्षर या अन्य शब्द नहीं लिखने चाहिए या हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए. उसे अपने अंगूठे का निशान भी नहीं लगाना चाहिए. ऐसा करने से उसका मतपत्र अमान्य हो जाएगा. वरीयता क्रम केवल अंकों में दर्शाया जाना चाहिए. आपके मतपत्र के वैध होने के लिए, किसी एक उम्मीदवार के सामने 1 लिखकर अपनी पहली वरीयता दर्शाना आवश्यक है. अन्य वरीयताएं देना वैकल्पिक है. यानी आप अपनी इच्छानुसार दूसरी या आगे की वरीयता दर्शा सकते हैं.

ऐसे बैलेट पेपर होंगे अयोग्य- अगर नंबर 1 नहीं डाला गया है. अगर नंबर 1 एक से ज्यादा कैंडिडेट के नाम से पहले लिखा है. नंबर 1 को इस तरह से लिखा जाएगा कि शक हो कि यह किस कैंडिडेट के नाम से पहले लिखा है. नंबर 1 को उसी कैंडिडेट के नाम से पहले लिखा जाएगा और नंबर 2, 3 वगैरह भी लिखे जाएंगे. पसंद का क्रम नंबरों के बजाय शब्दों में दिखाया जाएगा. कोई भी निशान या लिखावट जिससे वोटर की पहचान हो सके और कोई भी नंबर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिए गए बैंगनी स्केच पेन के अलावा किसी और चीज़ से नहीं लिखा जाएगा, तो ऐसा बैलेट पेपर इनवैलिड होगा.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटसचे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर,
नेहरू
मैदान, अमरावती. फोन
2564125, 2674048

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी, अकोली
रोड, अमरावती.
मो. 9423426199

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सी. विष्णा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रद्धांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199 / 8855019189



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबें, रजिस्टर, नोटबुक, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें, बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

—संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

त्यौहारों के मद्देनजर जिला ग्रामीण में शुक्रवार से प्रतिबंधक आदेश

जिला ग्रामीण पुलिस ने शांति के लिए उठाया कदम

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्तूबर अमरावती- जिला ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव और आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार 16 अक्तूबर से 30 अक्तूबर तक प्रतिबंधक आदेश जारी किया गया है। नागरिकों से इसका पालन कर सहयोग करने का आग्रह किया गया है। अमरावती, 15 अक्तूबर (जिमका): आने वाले त्यौहारों, धार्मिक कार्यक्रमों और अलग-अलग राजनीतिक आयोजनों को देखते हुए शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमरावती जिले के ग्रामीण इलाकों में रोक लगा दी गई है। महाराष्ट्र पुलिस एक्ट, 1951 के सेक्शन 37 (1) (3) के तहत, ये आदेश 16 अक्तूबर को दोपहर 12.01 बजे से 30 अक्तूबर को सुबह 12 बजे तक लागू रहेंगे। पुलिस सुपरिटेण्डेंट निकेतन कदम के अनुरोध पर, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट संतोष काकड़े को मिली शक्तियों के अनुसार, पुलिस कमिश्नरेट एरिया को छोड़कर, अमरावती जिले के ग्रामीण इलाकों में रोक लगाई गई है। अक्तूबर महीने में अलग-अलग धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम

आयोजित किए जा रहे हैं। दशहरा का त्यौहार 20 अक्तूबर को मनाया जाएगा, और दुर्गा विसर्जन 19 अक्तूबर से शुरू होगा। साथ ही, धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस के मौके पर बौद्ध धर्म के भाई-बहन कई तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं। पुलिस प्रशासन ने जिले के नागरिकों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए बचाव के कदम उठाए हैं। ये आदेश इसलिए लागू किए गए हैं ताकि त्यौहारों और उत्सवों के दौरान कोई अनहोनी न हो और लोगों की शांति भंग न हो। अपर जिला दंडाधिकारी संतोष काकड़े ने नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। इस बीच जिला पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम ने भी नागरिकों से त्यौहारों का शांतिपूर्ण तरीके से आनंद लेने तथा पुलिस एवं प्रशासन को सहयोग करने का आग्रह किया गया है। पुलिस के अनुरोध पर अपर जिला दंडाधिकारी संतोष काकड़े ने उक्त आदेश लागू करते हुए नागरिकों से सहयोग करने कहा है।

जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल कर रहा है मां की आराधना

अंबाविहार गुंज रहा माता के जयकारों से, छाया कॉलोनी में 21 से शारदोत्सव

विदर्भ स्वाभिमान, 14 अक्तूबर अमरावती- शहर में नवरात्रि का पर्व भक्तिभाव, अपार उत्साह के साथ शुरू है। स्थानीय अंबाविहार स्थित जय अंबे दुर्गोत्सव मंडल द्वारा मां की आराधना की जा रही है। जागृत देवी के रूप में लगातार 28 वर्षों से अंबाविहार में मंडल के दूसरी पीढ़ी के माता भक्तों द्वारा मां दुर्गा की आराधना के साथ ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम भी लिए जा रहे हैं। इसमें क्षेत्र के साथ ही आसपास के नागरिक भी शामिल हो रहे हैं। इसी तरह छाया कॉलोनी में भी 21 अक्तूबर को शारदा मां की स्थापना कर क्षेत्रवासियों द्वारा भक्तिभाव से शारदोत्सव मनाया जाएगा। इसकी सभी तैयारियों की जा रही है। क्षेत्र की महिलाओं में इसको लेकर अपार उत्साह व्याप्त है और सभी इसमें बढ़कर योगदान दे रही हैं।

पिछले 28 वर्षों से क्षेत्रवासियों तथा माता की सेवा से जीवन में सब कुछ हासिल करने वाले पूर्व पदाधिकारियों के सहयोग से यहां पर माता रानी की आराधना की जा रही है। मां दुर्गा की आकर्षक मूर्ति जहां भक्तिभाव बढ़ा रही है,



वहीं सुबह और शाम की आरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं। जय अंबे दुर्गा उत्सव मंडल की ओर से नवरात्रि उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंडल परिसर में मां दुर्गा की आकर्षक स्थापना की गई है। मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। सुबह की आरती और शाम की आरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। यहां होने वाला महाप्रसाद सुख्यात रहता है और हजारों भक्त लाभ लेते हैं। नवरात्रि

के नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना का विशेष महत्व है। इसी धार्मिक भावना के साथ मंडल की ओर से उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। भक्तिमय वातावरण, माता रानी के जयकारों और पूजा-अर्चना से परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। नवरात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करने का अवसर भी है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। जय अंबे दुर्गा उत्सव मंडल का यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का केंद्र बना हुआ है। इसी तरह नवगठित शारदा उत्सव मंडल छाया कॉलोनी द्वारा भी मां शारदा का उत्सव भव्य पैमाने पर मनाने की तैयारी की जा रही है। भक्तों से सहयोग देने और भक्तिभाव का लाभ लेने का आग्रह किया गया है। त्यौहारों से अंबानगरी में उत्साह व्याप्त है।

हमारे यहां

हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में

प्रेस नोट, जन्मदिन के लेख,

विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार, इसार चिट्ठी सहित साप्ताहिक तथा दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय देने का कार्य समुचित दर पर किया जाता है।

- ✓ प्रेस नोट
- ✓ जन्मदिन के लेख
- ✓ विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार
- ✓ इसार चिट्ठी
- ✓ साप्ताहिक व दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय



संपर्क

9423426199 / 8208407139

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुड के

